Sem-3 (MIC)

Q WTO (World Trade Organization) (विश्व व्यापार संगठन)

→ WTO का पूरा नाम World Trade Organization (विश्व व्यापार संगठन) है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो देशों के बीच व्यापार को नियंत्रित और व्यवस्थित करता है।

→ इसकी स्थापना 1 Jan 1995 को हुई थी। इसका मुख्यालय जेनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।

* स्थापना का कारण :-
WTO की स्थापना General Agreement on Tariffs and Trade (GATT) के स्थान पर की गई।

→ GATT 1947 से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित कर रहा था, लेकिन इसे अधिक मजबूत और स्थायी संस्था की आवश्यकता थी, इसलिए WTO बना।

* WTO के मुख्य उद्देश्य :-
→ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना।
→ व्यापार में आने वाली बाधाओं (जैसे टैरिफ, कोटा) को कम करना,
→ सदस्य देशों के बीच विवादों का समाधान करना।
→ विकासशील देशों को विशेष सहायता देना।
→ पारदर्शी और निष्पक्ष व्यापार व्यवस्था स्थापित करना।

vivo Y02
Feb 19, 2026, 12:31

* WTO के मुख्य कार्य :

Trade Negotiations — सदस्य देशों के बीच व्यापार समझौते करना।
Dispute Settlement — व्यापार विवादों का समाधान
Monitoring — देश की व्यापार नीतियों की समीक्षा
Technical Assistance — विकासशील देशों को प्रशिक्षण और सहायता देना।

* WTO की संरचना :—

→ Ministerial Conference — सर्वोच्च निकाय (हर 2 वर्ष में बैठक)
→ General Council
→ Dispute Settlemen Body
→ विभिन्न समितियाँ

* ~~भारत~~ भारत और WTO :—

→ India WTO का संस्थापक सदस्य है (1995 से)।
→ भारत कृषि, वस्त्र उद्योग और सेवा क्षेत्र में WTO के नियमों से प्रभावित होता है।

* WTO के लाभ :

→ वैश्विक व्यापार में वृद्धि.
→ व्यापारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान
विकासशील देशों को अवसर

* WTO की आलोचना :

→ विकसित देशों का अधिक प्रभाव
→ कृषि सब्सिडी को लेकर विवाद

vivo Y02
Feb 19, 2026, 12:31

→ छोटे देशों के हितों की अनदेखी

* निष्कर्ष :-
WTO अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को संगठित और नियंत्रित करने वाली प्रमुख संस्था है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, लेकिन इसमें सुधार की आवश्यकता भी समय - समय पर महसूस की जाती है।

vivo Y02
Feb 19, 2026, 12:31